Drishti IAS

करेंट अफेयर्स हरियाणा

अगस्त

2023

(संग्रह)

Drishti, 641, First Floor, Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry (English): 8010440440, Inquiry (Hindi): 8750187501
Email: help@groupdrishti.in

अनुक्रम

हरियाणा **3**

- गीता स्थली ज्योतिसर में 205 करोड़ रुपए की लागत से बनेगा ज्योतिसर अनुभव केंद्र 3
- ऐतिहासिक कर्ण कोट टीले से मिला महाभारतकालीन ग्रेवयार्ड ऑब्जेक्ट 3
- अमृत भारत स्टेशन योजना : हरियाणा के 15 रेलवे स्टेशनों का होगा पुनर्विकास, प्रधानमंत्री ने किया शिलान्यास 5
- हरियाणा में पाँच रेल परियोजनाओं की जल्द तैयार होगी फाइनल सर्वे रिपोर्ट, विकसित होगा रेल इन्फ्रास्ट्रक्चर 5
- हरियाणा में 'गहन मिशन इंद्रधनुष (आईएमआई) 5.0' शुरू 6
- उपमुख्यमंत्री ने सिरसा में 6 करोड़ 20 लाख रुपए की लागत से बने अपशिष्ट उपचार संयंत्र का किया उद्घाटन 7
- होम गार्ड्स को मेडल देने के लिये राज्य सरकार को भेजा जाएगा एक प्रस्ताव 8
- पदमा योजना के तहत बनाई जा रही छह स्कीमें 9
- मुख्यमंत्री ने नशा मुक्त अभियान के अंतर्गत राज्यस्तरीय कार्यक्रम के पोस्टर (लोगो) का किया लोकार्पण 9
- स्वतंत्रता दिवस पर प्रदेश के 43 कैदियों को किया जाएगा रिहा 10
- मुख्यमंत्री ने नशा मुक्त अभियान के अंतर्गत राज्यस्तरीय कार्यक्रम के पोस्टर (लोगो) का किया लोकार्पण 11
- हरियाणा सरकार ने शहीद जवानों और सशस्त्र पुलिस बलों के परिवारों के सदस्यों को अनुकंपा आधार पर सरकारी नौकरी देने को लेकर एक नीति की अधिसूचना जारी की 11
- हरियाणा के नए DGP बने शत्रुजीत कपूर 12
- फसलों के उत्पादन व नुकसान के आकलन के लिये अब AI की मदद लेगा हरियाणा 13
- हरियाणा सरकार कुपोषण से निपटने के लिये स्पिरुलिना-आधारित उत्पाद पेश करेगी 14
- हरियाणा में विकसित होगी एक और इंडस्ट्रियल टाउनशिप 15
- गुरुग्राम के विकास को गति देने के लिये कई अहम परियोजनाओं को मिली स्वीकृति 16
- शहीदों के नाम से जाने जाएंगे प्रदेश के 509 स्कूल, शिक्षा विभाग ने जारी की स्कूलों की लिस्ट 17
- अब हरियाणा में महाराजा अग्रसेन की जीवनी पढ़ेंगे पाँचवी कक्षा के छात्र, पाठ्यक्रम में किया गया शामिल 18
- आरसीएस उड़ान संचालन के लिये अंबाला में की जाएगी सिविल एन्क्लेव की स्थापना 19
- हरियाणा को मिला 8 नए प्रोजेक्ट्स का तोहफा 20
- विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2023: हरियाणा के नीरज चोपड़ा बने पहले भारतीय वर्ल्ड चैंपियन 21
- विश्व कुश्ती चैंपियनशिप: हरियाणा के 18 पहलवान हुए चयनित 21

नोट :

हरियाणा

गीता स्थली ज्योतिसर में 205 करोड़ रुपए की लागत से बनेगा ज्योतिसर अनुभव केंद्र

चर्चा में क्यों ?

31 जुलाई, 2023 को हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल गीता स्थली ज्योतिसर में निर्माणाधीन प्रोजेक्ट का निरीक्षण करते हुए कहा कि गीता स्थली ज्योतिसर में 205 करोड़ रुपए की लागत से महाभारत थीम पर आधारित ज्योतिसर अनुभव केंद्र का निर्माण किया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- यह प्रोजेक्ट विश्व दर्शनीय होगा और दूर-दराज से विश्व के कोने-कोने से आने वाले पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बनेगा।
- इस प्रोजेक्ट के लिये प्रदेश सरकार की तरफ से 205 करोड़ रुपए का बजट खर्च किया जाएगा। इस बजट में से 30 करोड़ रुपए की राशि अभी तक खर्च की जा चुकी है। इस गीता स्थली ज्योतिसर में भारत सरकार की तरफ से जारी बजट में से 29 करोड़ रुपए का बजट भवन निर्माण कार्य में खर्च किया जा चुका है।
- ज्योतिसर अनुभव केंद्र में बनने वाले ए ब्लॉक के भवन में महाभारत के चरित्रों को दर्शाने, टिकट काउंटर, ऑडियो गाईड, बी ब्लॉक के भवन में महाभारत के मुख्य कारणों पर प्रकाश डालती हुई झाँकियों जैसे द्रौपदी चीर हरण, लाक्ष्य गृह आदि शामिल हैं।
- इस प्रोजेक्ट में थ्री डी मैपिंग, होलोग्राफी सहित विभिन्न तकनीकों का प्रयोग किया जा रहा है।

ऐतिहासिक कर्ण कोट टीले से मिला महाभारतकालीन ग्रेवयार्ड ऑब्जेक्ट

चर्चा में क्यों ?

1 अगस्त, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार हरियाणा के फतेहाबाद ज़िले के भूना के गांव भट्टू के ऐतिहासिक कर्ण कोट टीले से महाभारतकालीन ग्रेवियार्ड ऑब्जेक्ट मिला है। इस ऑब्जेक्ट से उस दौर में मिट्टी के बर्तनों व कपों को तराशा जाता था।

प्रमुख बिंदु

- विदित है कि हरियाणा में महाभारत काल के कर्णकोट टीले से वर्षा ऋतु में मिट्टी बहने से ऐतिहासिक महत्त्व की वस्तुएँ प्राप्त हो रही हैं। हाल ही में हुई बारिश के दौरान इस टीले से ग्रेवियार्ड ऑब्जेक्ट मिला है।
- यह पत्थर देखने में चीनी मिट्टी का बना हुआ है और शताब्दी बाद भी यह पत्थर का टुकड़ा अभी भी सुरक्षित है। हाल ही में हुई बारिश के बाद यह पत्थर का टुकड़ा मिट्टी से उभरकर सामने आया तो इस गांव के शोधकर्ता व सेफ्टी इंजीनियर अजय कुमार ने इसे अपने पास रख लिया और इसकी जानकारी पुरातत्त्व विभाग को दी।

- जो अवशेष मिला है, वो महाभारत काल के समय बर्तन बनाने के लिये प्रयोग होने वाले पदार्थ का एक चक्र है, जिसको ग्रेवियार्ड कहते हैं। ये चीनी मिट्टी की तरह का एक पदार्थ है, जो बहुत शानदार चमक और मज़बूती रखता है। इस ग्रेवियार्ड से महाभारत कालीन समय में बर्तन व कपों के सांचे तैयार किये जाते थे।
- इस टीले के शोधकर्ता व सेफ्टी इंजीनियर अजय कुमार ने बताया कि यह ग्रेवियार्ड अपने आप में अद्भुत है और महाभारतकालीन समय की उस बर्तन निर्माण पद्धति का परिचायक है, जिससे बर्तनों का निर्माण होता था।
- इसी टीले से मिट्टी की टेराकोटा की चूड़ी, जो हड़प्पा सभ्यता के समय की है और साथ ही हाथी दाँत से बनी चूड़ी के टुकड़े मिले हैं। इसके अलावा यहाँ पर हाथी दाँत की चूड़ियों के अवशेष भी मिले हैं। यहाँ पर हड़प्पा काल के शतरंज के पासे भी मिले हैं।
- गौरतलब है कि टोहाना हलके में स्थित भट्टू गांव अपने आप में इतिहास को संजोए हुए हैं। यहाँ पर महाभारत काल से लेकर एंग्लो-सिख युद्ध तक के प्रमाण मिल चुके हैं। जिसमें मराठा सिख और फ्राँसीसी सेनाओं की ब्रिटिश सेना से लड़ाई हुई थी और नेपोलियन बोनापार्ट की सेना में तोपची रहे लेफ्टिनेंट हैलिसन सिख सेनाओं के साथ यहाँ तैनात रहे थे।
- ये स्थल कितने ऐतिहासिक युद्धों का साक्षी रहा है और इन युद्धों में प्रयुक्त हथियार आज भी यहाँ से प्रतिदिन निकलते हैं, जिसमें तलवारें, तोपों के गोले और घुड़सवारों के अवशेष प्रमुख हैं।

अमृत भारत स्टेशन योजना : हरियाणा के 15 रेलवे स्टेशनों का होगा पुनर्विकास, प्रधानमंत्री ने किया शिलान्यास

चर्चा में क्यों ?

6 अगस्त, 2023 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देश के 508 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास कार्यों का शिलान्यास वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया। इनमें हरियाणा के 15 रेलवे स्टेशन शामिल हैं।

प्रमुख बिंदु

- गौरतलब है कि इस महत्त्वाकांक्षी अमृत भारत स्टेशन योजना के प्रथम चरण में हरियाणा के 15 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास किया जाएगा। इन स्टेशनों में अंबाला सिटी, भिवानी जंक्शन, फरीदाबाद, पटौदी रोड, हिसार, बहादुरगढ़, जींद जंक्शन, नरवाना जंक्शन, नारनौल, कालका, रेवाड़ी, रोहतक, सिरसा, सोनीपत तथा यमुनानगर-जगाधरी स्टेशन शामिल हैं।
- इसके अलावा, योजना के दूसरे चरण में प्रदेश के 34 स्टेशनों को भी शामिल किया जाएगा।
- उल्लेखनीय है कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित किये जाने वाले इन स्टेशनों पर वाइड कॉनकोर्स, फुट ओवर ब्रिज, लिफ्ट, एस्केलेटर, वेटिंग रूम, वाणिज्यिक क्षेत्र और रिटेल काउंटर आदि जैसी आधुनिक सुविधाएँ प्रदान की जाएंगी।
- योजना में मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट की परिकल्पना की गई है। अन्य छोटे स्टेशनों पर भी यात्री सुविधाओं का उन्नयन किया जाएगा और उन्हें चौड़े एफओबी, अग्रभाग सुधार, प्रतीक्षा क्षेत्र, लिफ्ट, एस्केलेटर आदि जैसी सुविधाएँ प्रदान की जाएंगी।

हरियाणा में पाँच रेल परियोजनाओं की जल्द तैयार होगी फाइनल सर्वे रिपोर्ट, विकसित होगा रेल इन्फ्रास्ट्रक्चर

चर्चा में क्यों ?

7 अगस्त, 2023 को हरियाणा के मुख्य सचिव संजीव कौशल ने चंडीगढ़ में हरियाणा रेल इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास कॉरपोरेशन बोर्ड की बैठक की अध्यक्षता करते हुए बताया कि राज्य में बेहतर रेल इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित करने के लिये हरियाणा रेल इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास कॉरपोरेशन द्वारा तैयार की गई सर्वे रिपोर्ट पर रेल मंत्रालय पाँच रेल विकास परियोजनाओं की जल्दी ही फाइनल सर्वे रिपोर्ट तैयार करेगा।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- बैठक में मुख्य सचिव ने कहा कि इंदिरा गांधी एयरपोर्ट दिल्ली से महाराजा अग्रसेन एयरपोर्ट हिसार के बीच रेल कनेक्टिविटी, गढ़ी हरसरू-फर्रुखनगर डबल लाइन और नई डबल लाइन कनेक्टिविटी फर्रुखनगर से झज्जर तथा झज्जर-चरखी दादरी-लोहारू लाइन सहित तीन रेल परियोजनाओं की फाइनल लोकेशन सर्वे रिपोर्ट तैयार की जाएगी।
- राज्य में करनाल-यमुनानगर नई रेलवे लाइन एवं कैथल रेलवे एलिवेटेड का भी संयुक्त दौरा कर सर्वे रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया जाएगा।
- मुख्य सचिव ने बताया कि हरियाणा आर्बिटल रेल कॉरिडोर परियोजना को पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान में शामिल किया गया है। इस परियोजना से पलवल, नूहं, गुरुग्राम, झज्जर एवं सोनीपत ज़िले लाभान्वित होंगे।
- हरियाणा आर्बिटल रेल कॉरिडोर के मानेसर से पातली खंड के निर्माण को चालू वित्त वर्ष में पूर्ण करने का प्रयास है।
- हरियाणा आर्बिटल रेल कॉरिडोर परियोजना में 4.7 किलोमीटर टनल, डबल कंटेनर के आवागमन, ऊँची इमारतों की ज़रूरतों को पूरा करने के लिये सुरंग बनाने व न्यू ऑस्ट्रियन टनलिंग मेथड की अत्याधुनिक तकनीक से कार्य किये जा रहे है।
- इसके अलावा कुरुक्षेत्र में पाँच मानवयुक्त क्रासिंग खत्म करने के लिये कुरुक्षेत्र- नरवाना रेलवे लाइन पर 5.8 किलोमीटर लंबा एलिवेटेड ट्रैक बनाने का 68 प्रतिशत कार्य पूरा कर लिया गया है।

हरियाणा में 'गहन मिशन इंद्रधनुष (आईएमआई) 5.0' शुरू

चर्चा में क्यों?

7 अगस्त, 2023 को भारत सरकार ने राष्ट्रीय टीकाकरण अनुसूची में निर्दिष्ट सभी टीकों के लिये टीकाकरण कवरेज बढ़ाने के उद्देश्य से 'गहन मिशन इंद्रधनुष (आईएमआई) 5.0' के राष्ट्रव्यापी कार्यान्वयन का निर्णय लिया, जिसके अंतर्गत ही हरियाणा में इस मिशन का पहला चरण शुरू हो गया है, जो 7 अगस्त से 12 अगस्त, 2023 तक निर्धारित किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- राज्य के एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि हरियाणा के सभी ज़िलों में अगस्त, सितंबर और अक्टूबर 2023 के महीनों के लिये निर्धारित 'आईएमआई 5.0' के तीन चरण आयोजित किये जाएंगे।
- पहले चरण में 0-5 वर्ष के 65000 बच्चों और 13600 गर्भवती महिलाओं को टीका लगाया जाएगा।
- सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि भारत सरकार ने हाल ही में 'यू-विन (विनिंग ओवर इम्यूनाइज़ेशन) पोर्टल'लॉन्च किया है जिसका उपयोग आईएमआई 5.0 के लिये सभी डाटा रिकॉर्डिंग और रिपोर्टिंग हेतु किया जाएगा।
- 'आईएमआई 5.0' का पहला राउंड हरियाणा के सभी ज़िलों में शुरू हो गया है। अधिकांश ज़िलों में इस अभियान की शुरुआत प्रतिष्ठित हस्तियों द्वारा की गई है।

नोट :

- राज्य के ज़िला फरीदाबाद में मूलचंद शर्मा द्वारा, ज़िला रेवाड़ी में मंत्री डॉ. बनवारी लाल, ज़िला नारनौल में मंत्री ओमप्रकाश यादव द्वारा, ज़िला हिसार में हरियाणा के डिप्टी स्पीकर रणबीर गंगवा द्वारा इस मिशन की गतिविधि का शुभारंभ किया गया।
- राज्य के भिवानी, फरीदाबाद, फतेहाबाद, जींद, कुरुक्षेत्र, रेवाड़ी और यमुनानगर समेत अन्य ज़िलों में भी संबंधित क्षेत्र के विधायकों द्वारा यह मिशन शुरू किया गया।
- 'गहन मिशन इंद्रधनुष (आईएमआई) 5.0' के अंतर्गत 5 वर्ष तक के बच्चों को खसरा और रूबेला का टीका लगाया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य इस वर्ष के अंत तक खसरा और रूबेला को खत्म करना है।

उपमुख्यमंत्री ने सिरसा में 6 करोड़ 20 लाख रुपए की लागत से बने अपशिष्ट उपचार संयंत्र का किया उद्घाटन

चर्चा में क्यों?

6 अगस्त, 2023 को हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने राज्य के सिरसा ज़िले के इंडस्ट्रियल एरिया में 6 करोड़ 20 लाख रुपए की लागत से बने अपशिष्ट उपचार संयंत्र (सीईटीपी) का उद्घाटन किया।

प्रमुख बिंदु

- इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में औद्योगिक क्षेत्र में जल अपशिष्ट उपचार संयंत्र बनाए जाएंगे, इसी लक्ष्य की ओर कदम बढ़ाते हुए सिरसा से शुरुआत की गई है।
- ज़िला सिरसा के इस इंडस्ट्रियल एरिया में 171 प्लॉट है, जिनमें करीब 115 यूनिट काम कर रही हैं, उनके लिये यह बहुत फायदेमंद सिद्ध होगा।
- विदित है कि सिरसा इंडस्ट्रियल एरिया की बहुत लंबे समय से सीईटीपी प्लांट लगवाने की मांग थी कि इंडस्ट्रियल वेस्ट को ट्रीट किया जाए। इस वेस्ट के कारण पहले पानी का 350 से 400 बीओडी का लेवल जाता था, जो अब कम होकर 10 हो गया है। इस पानी का प्रयोग किसान भी अपनी खेती में कर सकते हैं।
- सीईटीपी लगने से जहाँ पर्यावरण संरक्षण में सहयोग मिलेगा, वहीं गंदगी व बदबू से भी छुटकारा मिलेगा। ट्रीटमेंट के बाद इस पानी का उपयोग सिंचाई व इंडस्ट्री की ग्रीन बेल्ट में होगा। इस प्रकार के प्लांट बनने से उद्योगों को भी लाभ मिलेगा।

नोट :

होम गार्ड्स को मेडल देने के लिये राज्य सरकार को भेजा जाएगा एक प्रस्ताव

चर्चा में क्यों ?

8 अगस्त, 2023 को हरियाणा के गृह मंत्री अनिल विज ने चंडीगढ़ में गृह रक्षी एवं नागरिक सुरक्षा विभाग (होमगार्ड) के उच्च अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए बताया कि गृह रक्षी (होम गार्ड) स्वयं सेवकों को उत्कृष्ट सेवाएँ देने के लिये मेडल से सम्मानित करने हेतु जल्द ही एक प्रस्ताव राज्य सरकार को भेजा जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- इसके अलावा, गृह मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि राज्य के सभी होम गाड्र्स को प्रत्येक माह की 7 तारीख तक उनका ड्यूटी भत्ता मिल जाना चाहिये।
- बैठक में उन्होंने बताया कि होम गाड्र्स को पुलिसिंग ड्यूटी के लिये पुलिस कर्मचारियों की तर्ज़ पर जोखिम भत्ता देने हेतु एक प्रस्ताव तैयार कर सरकार को भेजा जाएगा।
- साथ ही, स्वयं सेवकों द्वारा पोस्टल बैलेट का प्रयोग करने हेतु एक प्रस्ताव चुनाव आयोग को भेजा जाएगा।
- बैठक में गृह मंत्री को अवगत कराया गया कि राज्य में 14 हज़ार होमगार्ड की क्षमता (स्ट्रेंथ) है और वर्तमान में राज्य में 12 हज़ार होमगार्ड कार्यरत् हैं, जिनमें से 9050 गृह रक्षी स्वयं सेवक पुलिस विभाग में कानून व्यवस्था, यातायात एवं चालक इत्यादि की ड्यूटियों का निर्वहन कर रहे हैं।
- गृह मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि होम गाड्र्स को ईपीएफ इत्यादि देने का प्रावधान किया जाए।
- बैठक में अधिकारियों ने बताया कि गृह रक्षी स्वयं सेवकों को एचडीएफसी बैंक द्वारा एक्सीडेंटल डेथ क्लेम 15 लाख रुपए से बढ़ाकर 50 लाख रुपए किया गया है।
- इसके अलावा, प्राकृतिक मृत्यु होने पर स्वयं सेवकों के आश्रित को बैंक द्वारा 3.25 लाख रुपए देने का भी प्रावधान किया गया है।
- बैठक में अधिकारियों ने अवगत कराया कि वर्तमान में हरियाणा गृह रक्षी स्वयं सेवकों को पंचकूला स्थित संयुक्त प्रशिक्षण संस्थान में समय-समय पर विभिन्न प्रशिक्षण (यातायात, बाढ़ आपदा, प्राथमिक सहायता इत्यादि) दिये जा रहे हैं।
- इसके अलावा होम गाड्र्स को जल्द ही करनाल में स्थापित होने वाले प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षण दिलाया जाएगा।
- वर्तमान में 14 ज़िलों के गृह रक्षी स्वयं सेवकों के पहचान-पत्र बनवाए गए है तथा शेष ज़िलों के पहचान-पत्र प्रक्रियाधीन हैं।

पदमा योजना के तहत बनाई जा रही छह स्कीमें

चर्चा में क्यों ?

9 अगस्त, 2023 को हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला, जिनके पास उद्योग एवं वाणिज्य विभाग का प्रभार भी है, ने बताया कि प्रदेश में एमएसएमई तथा स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिये राज्य सरकार गवर्नमेंट प्रोजेक्ट्स की तरह प्राइवेट सेक्टर एंटरप्रिन्योर को भी पूरा स्पोर्ट देगी, इसके लिये पदमा योजना के तहत छह स्कीमें बनाई जा रही हैं।

प्रमुख बिंदु

- उपमुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा पदमा योजना को पॉलिसी का स्वरूप दिया गया है, ताकि राज्य में अधिक से अधिक इंडस्ट्रियल क्लस्टर विकसित किये जा सकें।
- राज्य में उद्योगपतियों की मांग पर अब 25 एकड़ से शुरू होकर बड़े इंडस्ट्रियल पार्क विकसित किये जाएंगे, जबकि पहले यह 100 एकड़ से शुरुआत थी, जिसमें राज्य सरकार की तरफ से पूरा इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने का प्रावधान था।
- जिस प्रकार से प्रदेश सरकार सीड्स स्कीम के तहत गवर्नमेंट प्रोजेक्ट्स को स्पॉन्ससर कर रही थी, इसी तर्ज पर प्राइवेट सेक्टर के लिये पीड्स स्कीम बनाई गई है। इसके लिये 6 स्कीमें बनाई जा रही हैं, जिनको अगले एक माह में लागू कर देंगे।
- अगर कोई उद्योगपति 25 एकड़ में 20 यूनिट्स लगाना चाहेगा तो गवर्नमेंट प्रोजेक्ट्स को दी जाने वाली सुविधाओं की तरह वह सभी सुविधाएँ ले सकेगा। इसके लिये सरकार ने 1000 करोड़ रुपए का प्रावधान रखा है।
- नए प्रावधानों के अनुसार 25 एकड़ से 100 एकड़ तक के इंडस्ट्रियल पार्क में कम से कम 25 एमएसएमई या अन्य यूनिट्स लगाए जाएंगे। इसके लिये इंफ्रास्ट्रक्चर राज्य सरकार द्वारा तैयार किया जाएगा।
- इंडस्ट्रीज के लिये बनाए गए ब्लॉक्स में से ए,बी, सी तथा डी ब्लॉक में सरकार द्वारा 50 करोड़ तक का इंसेंटिव दिया जाएगा, यह प्रोजेक्ट्स के लिये 50 से 85 प्रतिशत तक की स्पोर्ट हो सकती है।
- विदित है कि वर्तमान राज्य सरकार ने बजट के दौरान वेंचर कैपिटल फंड बनाने की चर्चा की गई थी।
- अगर प्रदेश में कोई स्टार्टअप आता है और उसको कोई वित्तीय लाभ चाहिये तो राज्य सरकार इसमें हिस्सेदार बनेगी, इसके लिये 50 करोड़ की समग्र निधि रखी गई है।
- अगर कोई 20 लाख तक की कीमत का नया कॉन्सेप्ट लेकर आता है तो उसमें राज्य सरकार 'एंटरप्रिन्योरशिप अक्सेलरेशन स्कीम' के तहत स्पोर्ट करेगी।
- प्रोजेक्ट की लागत का टोटल इन्वेस्टमेंट सब्सिडी 30 फीसदी (अधिकतम 30 लाख रुपए) स्पॉन्सर की जाएगी। इंट्रेस्ट सब्सिडी स्कीम भी बनाई गई है, जिसमें 6 प्रतिशत (अधिकतम 20 लाख रुपए वार्षिक) तक इंट्रेस्ट का भुगतान सरकार द्वारा किया जाएगा।
- यदि कोई नेशनल या इंटरनेशनल लेवल पर मार्केटिंग या ब्रांडिंग में सुधार करके उपलब्धि हासिल करता है तो ऐसे उद्योगपति को 10 लाख रुपए वार्षिक दिये जाएंगे। इससे ब्लॉक स्तर के छोटे स्टार्टअप्स को बूस्ट मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने नशा मुक्त अभियान के अंतर्गत राज्यस्तरीय कार्यक्रम के पोस्टर (लोगो) का किया लोकार्पण

चर्चा में क्यों ?

10 अगस्त, 2023 को हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने प्रदेश सरकार द्वारा आरंभ किये गए नशा मुक्त अभियान के अंतर्गत राज्यस्तरीय कार्यक्रम के पोस्टर (लोगो) का लोकार्पण किया।

प्रमुख बिंदु

- इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने बताया कि नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत जल्द ही स्टेट टास्क फोर्स का राज्य स्तर और ज़िला स्तर पर गठन किया जाएगा। इसमें साधु-संतों, सामाजिक संस्थाओं, पुलिस, बुद्धिजीवी वर्ग के साथ-साथ नशे के खात्में में कार्य करने के इच्छुक लोगों को भी शामिल किया जाएगा।

- उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार द्वारा नशा मुक्ति दिवस 26 जून, 2023 को राज्यस्तरीय नशा मुक्ति अभियान का आरंभ किया गया था।
- नशा मुक्ति के लिये प्रदेश में किसी भी तरह की गतिविधियों को सुचारु रूप से संचालित करने हेतु प्रदेश सरकार सामाजिक संस्थाओं को पूर्णरूप से सहयोग प्रदान करेगी।
- इसी कड़ी में मुख्यमंत्री ने पोस्टर (लोगो) का लोकार्पण किया और युवाओं को नशे से दूर रखने के उद्देश्य से संचालित की जा रही गतिविधियों के लिये विश्व शिक्षा निकेतन और सनराइज ग्लोबल फाउंडेशन तथा करुणा वेलफेयर ट्रस्ट के प्रयासों की प्रशंसा की।
- विश्व शिक्षा निकेतन की अध्यक्ष डॉक्टर साध्वी अमृता दीदी, सनराइज ग्लोबल फाउंडेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी धनेंद्र वशिष्ठ ने बताया कि नशे को जड़ से खत्म करने हेतु सामाजिक जागरूकता के लिये नुक्कड़ नाटक (मंच) प्रतियोगिता (विद्यालय और महाविद्यालय) का आयोजन प्रदेशभर में करवाया जाएगा।
- प्रतियोगिता का समापन विवेकानंद जयंती पर राष्ट्रीय युवा दिवस 12 जनवरी, 2024 मुख्यमंत्री के नेतृत्व में किया जाएगा।

स्वतंत्रता दिवस पर प्रदेश के 43 कैदियों को किया जाएगा रिहा

चर्चा में क्यों ?

10 अगस्त, 2023 को हरियाणा के एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि राज्य सरकार ने आज़ादी की 75वीं वर्षगाँठ के अवसर पर 15 अगस्त, 2023 को 43 कैदियों को विशेष छूट देते हुए रिहा करने का निर्णय लिया है।

प्रमुख बिंदु

- राज्य के 60 वर्ष और उससे अधिक उम्र के 7 कैदियों, जिन्होंने बिना छूट के अपनी वास्तविक सज़ा का 50 प्रतिशत पूरा कर लिया है, को रिहा किया जाएगा।
- इसी प्रकार ऐसे सज़ायाफ्ता कैदी, जिन्होंने वास्तविक सज़ा अवधि में से बिना छूट के दो-तिहाई या 66 प्रतिशत तक की सज़ा पूरी कर ली है, की सज़ा को भी कम कर दिया गया है। ऐसे 33 कैदियों को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर छूट का लाभ देकर रिहा किया जाएगा।
- सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि 3 ऐसे सज़ायाफ्ता कैदी हैं, जिन्होंने अपनी सज़ा पूरी कर ली है, परंतु वे गरीब होने के कारण जुर्माना देने में सक्षम नहीं हैं, उन्हें भी विशेष छूट का लाभ देकर 15 अगस्त, 2023 को रिहा किया जाएगा।
- उक्त कैदियों को किसी भी न्यायालय द्वारा लगाए गए जुर्माने की राशि को अवश्य जमा करवाना होगा, अगर वे 15 अगस्त से पहले यह जुर्माना राशि जमा नहीं करवाते हैं तो उन्हें रिहा नहीं किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने नशा मुक्त अभियान के अंतर्गत राज्यस्तरीय कार्यक्रम के पोस्टर (लोगो) का किया लोकार्पण

चर्चा में क्यों ?

10 अगस्त, 2023 को हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने प्रदेश सरकार द्वारा आरंभ किये गए नशा मुक्त अभियान के अंतर्गत राज्यस्तरीय कार्यक्रम के पोस्टर (लोगो) का लोकार्पण किया।

प्रमुख बिंदु

- इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने बताया कि नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत जल्द ही स्टेट टास्क फोर्स का राज्य स्तर और ज़िला स्तर पर गठन किया जाएगा। इसमें साधु-संतों, सामाजिक संस्थाओं, पुलिस, बुद्धिजीवी वर्ग के साथ-साथ नशे के खात्में में कार्य करने के इच्छुक लोगों को भी शामिल किया जाएगा।
- उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार द्वारा नशा मुक्ति दिवस 26 जून, 2023 को राज्यस्तरीय नशा मुक्ति अभियान का आरंभ किया गया था।
- नशा मुक्ति के लिये प्रदेश में किसी भी तरह की गतिविधियों को सुचारु रूप से संचालित करने हेतु प्रदेश सरकार सामाजिक संस्थाओं को पूर्णरूप से सहयोग प्रदान करेगी।
- इसी कड़ी में मुख्यमंत्री ने पोस्टर (लोगो) का लोकार्पण किया और युवाओं को नशे से दूर रखने के उद्देश्य से संचालित की जा रही गतिविधियों के लिये विश्व शिक्षा निकेतन और सनराइज ग्लोबल फाउंडेशन तथा करुणा वेलफेयर ट्रस्ट के प्रयासों की प्रशंसा की।
- विश्व शिक्षा निकेतन की अध्यक्ष डॉक्टर साध्वी अमृता दीदी, सनराइज ग्लोबल फाउंडेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी धनेंद्र वशिष्ठ ने बताया कि नशे को जड़ से खत्म करने हेतु सामाजिक जागरूकता के लिये नुक्कड़ नाटक (मंच) प्रतियोगिता (विद्यालय और महाविद्यालय) का आयोजन प्रदेशभर में करवाया जाएगा।
- प्रतियोगिता का समापन विवेकानंद जयंती पर राष्ट्रीय युवा दिवस 12 जनवरी, 2024 मुख्यमंत्री के नेतृत्व में किया जाएगा।

हरियाणा सरकार ने शहीद जवानों और सशस्त्र पुलिस बलों के परिवारों के सदस्यों को अनुकंपा आधार पर सरकारी नौकरी देने को लेकर एक नीति की अधिसूचना जारी की

चर्चा में क्यों ?

15 अगस्त, 2023 को हरियाणा मुख्य सचिव संजीव कौशल ने बताया कि राज्य सरकार ने देश की सेवा में प्राण न्योछावर करने वाले शहीद जवानों और सशस्त्र पुलिस बलों के परिवारों के सदस्यों को अनुकंपा आधार पर सरकारी नौकरी देने को लेकर एक नीति की अधिसूचना जारी की है।

प्रमुख बिंदु

- इस नीति के तहत रक्षा अधिकारियों, गृह मंत्रालय द्वारा सशस्त्र बल या केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल को किसी भी ऑपरेशन या किसी निर्दिष्ट क्षेत्र में ऑपरेशन के दौरान संघर्ष, आईईडी विस्फोट, आतंकवादी या उग्रवादी हमलों, सीमा पर झड़पों में शहीद होने वाले जवानों को अनुकंपा नीति के अनुसार सरकारी नौकरी प्रदान की जाएगी।
- इनके अलावा एम.टी. कार्डियक अरेस्ट, हवाई दुर्घटना और प्राकृतिक आपदाओं में असाधारण साहस और कर्तव्य पालन करने और संयुक्त राष्ट्र शांति सेना में कर्तव्यों के निर्वाह के दौरान आदि घटनाओं में शहीद होने वाले जवानों आश्रितों को संशोधित अनुकंपा नीति के अनुसार सरकारी नौकरी प्रदान की जाएगी।
- मुख्य सचिव ने बताया कि इससे पहले 30 मई, 2014 और 28 सितंबर, 2018 की पिछली नीतियों के अनुसार सरकारी नौकरियाँ केवल उन शहीदों के आश्रितों को दी जाती थीं, जो सीमा पर झड़पों, आतंकवादी हमलों या दंगों में मारे जाते थे और जिन्हें रक्षा मंत्रालय या गृह मंत्रालय द्वारा शहीद घोषित किया जाता था।
- नई अनुकंपा नीति में पात्र परिवार के सदस्यों की परिभाषा को भी बढ़ाया गया है।
- नई नीति का उद्देश्य सशस्त्र बलों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के युद्ध में शहीद जवानों के राज्यवासी परिवार के पात्र सदस्यों में से एक को अनुकंपा नियुक्ति के माध्यम से नौकरी प्रदान कर परिवार की मदद करना है।

नोट :

- अनुकंपा नियुक्ति हेतु हताहत के परिवार में पति या पत्नी हैं और वे नियुक्ति नहीं चाहते हैं तो विवाहित या अविवाहित बच्चों में से किसी एक को लाभ दिया जाएगा। इसमें कानूनी रूप से गोद लिये गए बच्चे भी शामिल किये गए हैं। बशर्ते कि शहीद सैनिक ने जीवित रहते वह बच्चा गोद लिया हो।
- यदि शहीद सैनिक अविवाहित था तो उसके माता-पिता की सहमति से ही अविवाहित या विवाहित भाई या अविवाहित बहन या जिसके लिये माता-पिता, भाइयों और अविवाहित बहनों द्वारा सहमति दी जाती है, उसे इस नीति का लाभ दिया जाएगा।

हरियाणा के नए DGP बने शत्रुजीत कपूर

चर्चा में क्यों?

16 अगस्त, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार शत्रुजीत कपूर हरियाणा के नए DGP बन गए हैं। उन्होंने पंचकूला के सेक्टर 6 स्थित पुलिस हेडक्वार्टर में पहुँचकर चार्ज संभाल। वे 2 साल तक इस पद पर बने रहेंगे।

प्रमुख बिंदु

- उल्लेखनीय है कि शत्रुजीत कपूर 1990 बैच के IPS हैं। उन्होंने 15 अगस्त को रिटायर हुए पीके अग्रवाल की जगह ली है।
- शत्रुजीत कपूर के अलावा डीजीपी पद की दौड़ में आरसी मिश्रा और मोहम्मद अकील भी थे, लेकिन राज्य सरकार की पसंद से उन्हें यह पद मिल गया है।
- विदित है कि 10 अगस्त को UPSC द्वारा पैनल मीटिंग में डीजीपी के लिये 3 नामों पर मुहर लगा दी गई थी, जिनमें DGP के लिये शत्रुजीत कपूर, मोहम्मद अकील और आरसी मिश्रा के नाम पर मुहर लगाई गई थी।
- ज्ञातव्य है कि हरियाणा के DGP पैनल में रिटायर हुए पीके अग्रवाल के बाद सबसे वरिष्ठ 1989 बैच के IPS ऑफिसर मोहम्मद अकील हैं। इनके पास फिलहाल DG जेल का चार्ज है। वह 31 दिसंबर, 2025 को सेवानिवृत्त होंगे।
- आरसी मिश्रा दूसरे नंबर पर 1990 बैच के IPS ऑफिसर हैं। वर्तमान में उनके पास पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन की कमान है। वे जून 2024 में रिटायर होंगे।
- शत्रुजीत कपूर तीसरे नंबर पर वरिष्ठ 1990 बैच के IPS हैं, जो एंटी करप्शन ब्यूरो (ACB) के DG हैं। वह 31 अक्टूबर, 2026 को सेवानिवृत्त होंगे।

फसलों के उत्पादन व नुकसान के आकलन के लिये अब AI की मदद लेगा हरियाणा

चर्चा में क्यों ?

17 अगस्त, 2023 को हरियाणा कृषि विभाग के निदेशक नरहरि सिंह बांगड़ ने बताया कि हरियाणा कृषि विभाग अब फसलों के उत्पादन और नुकसान के आकलन के लिये आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद लेगा। अभी राज्य सरकार यह कार्य कर्मचारियों के माध्यम से करवाती है।

प्रमुख बिंदु

- निदेशक नरहरि सिंह बांगड़ ने बताया कि केंद्र व राज्य सरकार ने इसकी मंज़ूरी दे दी है। इसके लिये एजेंसियों से आवेदन आमंत्रित कर दिये गए हैं। सरकार की योजना है कि आगामी रबी के सीजन में इस तकनीक से काम हो। इस प्रोजेक्ट पर करीब सात करोड़ रुपए का खर्च आएगा।
- एआई (Artificial Intelligence) एक ऐसी तकनीक है जो मानव मानसिकता की प्रक्रियाओं को मॉडल करके स्वतंत्रता से सोचने और निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करती है। हरियाणा कृषि विभाग ने इस तकनीक का उपयोग करके खेती से लेकर उत्पादन तक की प्रक्रिया को सुगम और सुरक्षित बनाने का लक्ष्य रखा है।
- कृषि विभाग हर साल फसलों के लिये रकबे के हिसाब से अनुमानित उत्पादन का आकलन करता है। इसके लिये कृषि विभाग के कर्मचारी ज़िलों में निश्चित क्षेत्र को चयनित कर उस क्षेत्र में हुए फसल उत्पादन से अंदाज़ा लगाते हैं। साथ ही बीमारी या अन्य कारणों से फसलों में नुकसान के आकलन के लिये भी विभाग कर्मचारियों पर निर्भर है।
- हरियाणा कृषि विभाग के अधिकारियों के अनुसार एआई मॉडल में सैटेलाइट व अन्य माध्यमों से हर सप्ताह फसल के फोटो लिये जाएंगे। हर सप्ताह दिये जाने वाले फोटो में फसल के रंग, पौधे की लंबाई, पत्तियों का एआई मॉडल अध्ययन करेगा। इसमें अत्याधुनिक कंप्यूटर का प्रयोग किया जाएगा।
- एआई मॉडल फसल के बीच में व कटाई से पहले दो बार रिपोर्ट देगा। इससे उत्पादन का अनुमान लगाया जाएगा। इसी तरह की तकनीक फसल नुकसान के आकलन में प्रयोग की जाएगी। इससे पता चलेगा कि फसल में किस तरह की बीमारी का प्रकोप है, अगर है तो इसका उत्पादन पर कितना असर पड़ सकता है।
- नुकसान के आकलन में कई बार किसानों की शिकायतें रहती हैं कि आकलन सही नहीं हुआ। उन्हें पूरा मुआवजा नहीं मिलेगा। एआई की रिपोर्ट से नुकसान का आकलन सही होने पर किसानों की भी इस तरह की शिकायतें नहीं रहेंगी तथा उन्हें नुकसान का पूरा मुआवज़ा मिल सकेगा।
- एआई से जो डाटा एकत्रित होगा, उस डाटा का कर्मचारियों द्वारा एकत्रित किये गए डाटा के साथ मिलान किया जाएगा। यदि दोनों में समानता रहती है या फिर ज़्यादा अंतर नहीं रहता है तो विभाग बाद में यह कार्य एआई से ही करवा सकता है।
- योजना में पहले चरण में धान, गेहूँ, सरसों व कपास को शामिल किया जाएगा। योजना में सबसे पहले करनाल व हिसार ज़िले का चयन किया गया है। दोनों ज़िलों में करीब सात करोड़ रुपए योजना पर खर्च किये जाएंगे। इसके बाद सात ज़िलों में, फिर पूरे प्रदेश में योजना को लागू किया जाना प्रस्तावित है।
- योजना पर केंद्र द्वारा 60 प्रतिशत व प्रदेश सरकार द्वारा 40 प्रतिशत खर्च वहन किया जाएगा।
- तकनीक से ये होंगे फायदे-
  - एआई की मदद से फसल के उत्पादन का सही आकलन होने पर फसल के भाव तय करने में आसानी होगी।
  - तकनीक के प्रयोग से मानव श्रम और समय की बचत होगी।
  - पुरानी तकनीक पर लागत खर्च में भी कमी आएगी।

नोट :

हरियाणा सरकार कुपोषण से निपटने के लिये स्पिरुलिना-आधारित उत्पाद पेश करेगी

चर्चा में क्यों?

19 अगस्त, 2023 को हरियाणा सरकार ने नूंह ज़िले में छह महीने की पायलट परियोजना के साथ बच्चों में कुपोषण से निपटने के लिये स्पिरुलिना-आधारित उत्पाद पेश करने के घोषणा की।

प्रमुख बिंदु

- पोषण अभियान के तहत आकांक्षी ज़िले नूंह के सभी ब्लॉकों में तीन पोषण-समृद्ध कार्यक्रम लागू किये जाएंगे।
- इन कार्यक्रमों का उद्देश्य बच्चों और महिलाओं में कुपोषण एवं एनीमिया को कम करना है।
- नूंह ज़िले के सभी ब्लॉकों में बच्चों और महिलाओं को रेडी-टू-ईट खाद्य पदार्थ, पोषण पैकेट और एंटीऑक्सीडेंट युक्त खाद्य पदार्थों के रूप में पोषण संबंधी सहायता प्रदान की जाएगी।
- महिला एवं बाल विकास विभाग नूंह ज़िले में पायलट आधार पर गंभीर तीव्र कुपोषित और मध्यम तीव्र कुपोषित बच्चों को एकीकृत बाल विकास योजना (आईसीडीएस) के तहत 'ऑर्थोनट' (मूंगफली मिश्रण) प्रदान करेगा।
- इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ मैनेजमेंट एंड रिसर्च (आईएचएमआर), बंगलूरू द्वारा किये गए एक अध्ययन में छह महीने तक बच्चों को स्पिरुलिना देने से कुपोषण में कमी देखी गई है।
- विदित है कि स्पिरुलिना, एक शैवाल जो मीठे पानी और खारे पानी दोनों में उगता है, पोषक तत्त्वों से भरपूर होता है और इसमें एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं।

हरियाणा में विकसित होगी एक और इंडस्ट्रियल टाउनशिप

चर्चा में क्यों ?

20 अगस्त, 2023 को हरियाणा के डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने घोषणा करते हुए कहा कि फरीदाबाद ज़िले में यमुना खादर से लगते मोठूका गाँव में इंडस्ट्रियल टाउनशिप विकसित की जाएगी। इसके लिये योजना तैयार कर ली गई है।

प्रमुख बिंदु

- करीब 100 एकड़ में इंडस्ट्रियल टाउनशिप विकसित करने की योजना है। ऐसे में यहाँ आईटी सेंटर, डाटा सेंटर अथवा मैन्यूफैक्चरिंग के प्लांट लग सकते हैं। इससे इस क्षेत्र में युवाओं के लिये रोज़गार के अवसर भी पैदा होंगे।
- इसके अलावा पलवल में जेबीएम कंपनी इलेक्ट्रॉनिक बस बनाएगी। इन दोनों ज़िलों में उद्योगों के आने से रोज़गार के अवसर पैदा होंगे।
- उन्होंने बताया कि हरियाणा सरकार के प्रयास से मेवात में 180 एकड़ में मोबाइल फैक्टरी लगाई जा रही है, जिसमें मोबाइल की बैटरी बनेगी। अगले साल से इस कंपनी में उत्पादन शुरू होने की संभावना है। इसके अलावा मानेसर में बहुत बड़ा वेयर हाउस बनाया जा रहा है।

नोट :

गुरुग्राम के विकास को गति देने के लिये कई अहम परियोजनाओं को मिली स्वीकृति

चर्चा में क्यों?

19 अगस्त, 2023 को हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल की अध्यक्षता में पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) की 12वीं बैठक आयोजित हुई, जिसमें (जीएमडीए) के माध्यम से गुरुग्राम शहर के विकास को गति देने के लिये कई महत्त्वपूर्ण योजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री ने प्राधिकरण के सदस्यों के साथ व्यापक विचार-विमर्श करते हुए वर्ष 2023-24 के लिये 2574.40 करोड़ रुपए के वार्षिक बजट की स्वीकृति प्रदान की।
- वार्षिक बजट में ढाँचागत तंत्र (सड़क, जलापूर्ति, सीवरेज, स्टोर्म वाटर आदि) के लिये 570.06 करोड़ रुपए, कैपिटल वर्क के लिये 1151.77 करोड़ रुपए, जिसमें स्वास्थ्य सेवाएँ, विशेषकर शीतला माता मंदिर के लिये 300 करोड़ रुपए, शहरी पर्यावरण के लिये 36 करोड़ रुपए, ऑपरेशन एंड मेंटीनेंस के लिये 538 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

- वार्षिक बजट के लिये प्राधिकरण के पास 2043.17 करोड़ रुपए का राजस्व विभिन्न मदों से प्राप्त होगा। साथ ही, शेष 531.23 करोड़ रुपए की आवश्यकता पहले से उपलब्ध कॉर्प्स फंड से पूरी की जाएगी।
- गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण की बैठक में शहर के विभिन्न क्षेत्रों तथा नए सेक्टर्स की जलापूर्ति की मांग को लेकर भी नई मास्टर वाटर सप्लाई लाईन का भी प्रस्ताव रखा गया, जिस पर मुख्यमंत्री ने 20.50 किलोमीटर लंबी मास्टर वाटर सप्लाई लाईन को स्वीकृति प्रदान की। इस लाईन के लिये 125 करोड़ रुपए के बजट को भी स्वीकृत किया गया।
- बसई जल शोधन संयंत्र पार्ट दो से 200 एमएलडी क्षमता की नई लाईन से सेक्टर 101, 104, 108, 110, 110 ए, न्यू पालम विहार, पालम विहार, सेक्टर 23, एनएच-48 को पार करते हुए साइबर हब आदि क्षेत्रों में जलापूर्ति होगी। इस लाइन के माध्यम से नए व पुराने शहर में जलापूर्ति की मांग को पूरा किया जा सकेगा।
- मुख्यमंत्री ने जीएमडीए की 12वीं बैठक में दौलताबाद के समीप सेक्टर 107 तथा नौरंगपुर के समीप सेक्टर 78 में प्रस्तावित नए सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट्स (एसटीपी) के लिये ज़मीन हस्तांतरण को स्वीकृति प्रदान की।
- इसी तरह बैठक में सदर्न पेरिफेरल रोड (एसपीआर) को फरीदाबाद रोड से एनएच 48 तक जोड़ने वाली सड़क के अपग्रेडेशन के कार्य के तहत वाटिका चौक पर बन रहे अंडरपास के लिये 109.14 करोड़ रुपए की धनराशि को प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई।

- इस अंडरपास का निर्माण भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और जीएमडीएम 50:50 शेयर बेस पर कर रहे हैं।
- बैठक में मुख्यमंत्री ने जीएमडीए के अधिकारियों को विज्ञापन व अन्य माध्यमों से राजस्व प्राप्ति को बढ़ाने की चर्चा भी की।

शहीदों के नाम से जाने जाएंगे प्रदेश के 509 स्कूल, शिक्षा विभाग ने जारी की स्कूलों की लिस्ट

चर्चा में क्यों ?

- 20 अगस्त, 2023 को हरियाणा के सोनीपत ज़िले के ज़िला शिक्षा अधिकारी नवीन गुलिया ने बताया कि सोनीपत ज़िले में राजकीय स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थी अब स्वतंत्रता सेनानियों व देश के प्राणों को लिये न्योछावर करने वाले वीर शहीदों के बारे में जान सकेंगे। इसके लिये प्रदेश सरकार शहीदों को श्रद्धांजलि देने के उद्देश्य से बड़ा कदम उठाते हुए प्रदेश के 509 स्कूलों के नाम शहीदों के नाम पर रखने जा रही है। इसमें सोनीपत के आठ स्कूल शामिल हैं।

प्रमुख बिंदु

- शिक्षा विभाग के सभी रिकॉर्ड और वेबसाइट पर इन सरकारी स्कूलों का नाम बदलकर शहीदों के नाम पर अपडेट किया जा रहा है। सरकार के इस कदम से शहीदों के परिजन खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं।
- इनमें प्रदेश के 358 उच्च, वरिष्ठ, माध्यमिक स्कूल और 151 माध्यमिक व प्राथमिक पाठशालाएँ शामिल हैं। इन स्कूलों का नाम उस गाँव के स्वतंत्रता सेनानियों व देश के लिये अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर शहीदों के नाम पर रखा जा रहा है।
- इससे जहाँ युवा पीढ़ी को शहीदों की शहादत के बारे में जानने का अवसर मिलेगा, वहीं उनके दिल में देशभक्ति की भावना भी जागृत होगी।
- जिन स्कूलों का नाम बदलकर वहाँ के स्वतंत्रता सेनानियों या वीर शहीदों के नाम पर रखा जाएगा, उनमें सोनीपत, गोहाना, कथूरा व खरखौदा खंड के दो-दो स्कूलों को शामिल किया गया है। इन स्कूलों में कुछ स्कूलों के मुख्य द्वार पर नाम बदलकर लिखवा भी दिया गया है।
  सोनीपत में शहीदों के नाम से जाने जाएंगे यह स्कूल:

खंड	शहीद	स्कूल
सोनीपत	स्वतंत्रता सेनानी महावीर प्रसाद जैन	राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, शहजादपुर
सोनीपत	स्वतंत्रता सेनानी चौधरी चंदन सिंह	राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बैंयापुर लहराड़ा
गोहाना	शहीद सुखबीर सिंह	राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, रुखी
गोहाना	स्वतंत्रता सेनानी बाबू मूलचंद जैन	राजकीय उच्च विद्यालय, सिकंदरपुर माजरा
कथूरा	शहीद सिपाही कप्तान सिंह	राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, धनाना
कथूरा	शहीद महावीर सिंह	राजकीय उच्च विद्यालय, भंडेरी
खरखौदा	शहीद रविंद्र सिंह दहिया	राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, रोहणा
खरखौदा	शहीद राय सिंह	राजकीय प्राथमिक पाठशाला, झरोंठी

- कहाँ कितने स्कूलों के नाम बदले जाएंगे ?
- रेवाड़ी - 94, भिवानी - 85, जींद - 61, पलवल - 38, रोहतक - 36, चरखी दादरी - 28, झज्जर - 28, गुरुग्राम - 25, कैथल - 21, महेंद्रगढ़ - 16, हिसार- 13, फतेहाबाद - 10, अंबाला - 8, फरीदाबाद - 8, कुरुक्षेत्र - 8, सोनीपत - 8, यमुनानगर - 5, पंचकूला - 5, पानीपत - 5, सिरसा - 4, करनाल - 2, नूंह -1।
- कुल - 509

नोट :

अब हरियाणा में महाराजा अग्रसेन की जीवनी पढ़ेंगे पाँचवी कक्षा के छात्र, पाठ्यक्रम में किया गया शामिल

चर्चा में क्यों ?

23 अगस्त, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार हरियाणा सरकार ने महाराजा अग्रसेन की जीवनी स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल कर ली है। यह जीवनी पांचवीं कक्षा के हिंदी विषय में पढ़ाई जाएगी। इसके लिये राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद गुरुग्राम की ओर से भी हरी झंडी मिल गई है।

प्रमुख बिंदु

- उल्लेखनीय है कि राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद की ओर से माध्यमिक शिक्षा विभाग के निदेशक को लिखे पत्र में कहा गया है कि हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद के दिशानिर्देश अनुसार महाराजा अग्रसेन का जीवन परिचय पाँचवी कक्षा के हिन्दी विषय के पाठ्यक्रम में जोड़ा है।
- विदित है कि 6 जुलाई, 2021 को अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल शरण गर्ग के नेतृत्व में अग्रवाल समाज के लोगों ने महाराजा अग्रसेन की जीवनी स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करवाने की मांग की थी।
- 26 जुलाई, 2021 को विधानसभा अध्यक्ष ने यह मांग मुख्यमंत्री मनोहर लाल के सामने रखी। अब इस संबंध में नोटिफिकेशन जारी कर दी गई है।
- ज्ञातव्य है कि महाराजा अग्रसेन मानवता के प्रवर्तक, अहिंसा के पुजारी, गणतंत्र के संस्थापक, गरीबों के मसीहा, राष्ट्रवाद के प्रबल समर्थक रहे हैं। उन्होंने 'एक ईंट-एक मुद्रा' की परंपरा शुरू कर समाज को नई दिशा दी। महाराजा अग्रसेन का हरियाणा के इतिहास से गहरा नाता रहा है।

आरसीएस उड़ान संचालन के लिये अंबाला में की जाएगी सिविल एन्क्लेव की स्थापना

चर्चा में क्यों ?

23 अगस्त, 2023 को हरियाणा के गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने बताया कि रक्षा मंत्रालय के सहयोग और नागरिक उड्डयन मंत्रालय के फ्लैगशिप कार्यक्रम के तहत आरसीएस उड़ान संचालन के लिये राज्य के अंबाला ज़िले में भारतीय एयरपोर्ट प्राधिकरण द्वारा सिविल एन्क्लेव की स्थापना की जाएगी।

प्रमुख बिंदु

- सिविल एन्क्लेव की स्थापना के लिये, राज्य सरकार के उडडयन विभाग द्वारा 133 करोड़ रुपए से अधिक की राशि रक्षा मंत्रालय को भेजी जाएगी, जिसके लिये प्रदेश सरकार ने अपनी मंजूरी प्रदान कर दी है।
- राज्य के अंबाला के एयरफोर्स के स्टेशन के साथ ही लगभग 20 एकड़ भूमि में यह सिविल एन्क्लेव तैयार किया जाएगा और इस पर जल्द ही काम शुरू होगा। सिविल एन्क्लेव के संचालन के लिये अब तक लगभग 16 करोड़ रुपए की निविदाएँ लगाई जा चुकी हैं।
- गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि यह एन्क्लेव 'उड़ान योजना' के तहत मंजूर किया गया था। उनके अथक प्रयासों के चलते यह एन्क्लेव मंजूर हुआ है और जल्द ही यहाँ से उड़ान भरी जाएगी।
- एन्क्लेव में जहाजों को खड़ा किया जाएगा, जबकि हवाई जहाजों की उड़ान के लिये हवाई पट्टी एयरफोर्स की ही प्रयोग की जाएगी, जिसकी मंजूरी एयरफोर्स द्वारा पहले ही दी जा चुकी है।
- विदित है कि रक्षा मंत्रालय द्वारा दिनांक 26 जून, 2023 के पत्र द्वारा साझा किये गए नियमों और शर्तों से हरियाणा सरकार सहमत है और इस परियोजना के लिये रक्षा मंत्रालय द्वारा गणना की गई नकद मुआवज़ा राशि के भुगतान के लिये खाते का विवरण और हस्तांतरण का प्रस्तावित तरीका राज्य के नागरिक उड्डयन विभाग द्वारा मांगा गया है।

हरियाणा को मिला 8 नए प्रोजेक्ट्स का तोहफा

चर्चा में क्यों?

23 अगस्त, 2023 को हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने बताया कि नई दिल्ली में 'नेशनल कैपिटल रीजन प्लानिंग बोर्ड' (एनसीआरपीबी) के 'प्रोजेक्ट सेक्शनिंग एंड मॉनिटरिंग ग्रुप -1' की 63वीं बैठक हुई है, जिसमें हरियाणा को करीब 461 करोड़ रुपए के 8 नए प्रोजेक्ट्स का तोहफा दिया गया।

प्रमुख बिंदु

- उपमुख्यमंत्री, जिनके पास पीडब्ल्यूडी विभाग का प्रभार भी है, ने नए प्रोजेक्ट्स की जानकारी देते हुए बताया कि इन 8 प्रोजेक्ट्स में 4 बड़े राजमार्गों का मजबूतीकरण, 2 नए फ्लाईओवर तथा 2 नए रेलवे ओवर ब्रिज शामिल हैं।
- विदित है कि किसी भी राज्य की प्रगति का रास्ता सड़क मार्ग और रेल मार्ग से होकर गुजरता है और प्रदेश सरकार इन दोनों ही मार्गों के बुनियादी ढाँचे को सुदृढ़ करने के लिये कृतसंकल्प है।
- इन प्रोजेक्ट्स के तहत 'महम से कलानौर एवं आगे बेरी गाँव' तक सड़क को मज़बूत किया जाएगा, जिस पर लगभग 51.62 करोड़ रुपए खर्च होंगे।
- इसी प्रकार झज्जर से कोसली रोड़ के मज़बूतीकरण पर 60.89 करोड़ रुपए, नूँह-पलवल रोड के सुधारीकरण पर 137.57 करोड़ रुपए तथा रोहतक-खरखौदा-दिल्ली बॉर्डर रोड के मज़बूतीकरण पर 19.46 करोड़ रुपए खर्च किये जाएंगे।
- रोहतक में ओल्ड एनएच-71ए पर सुखपुरा चौक पर नया फ्लाईओवर बनाया जाएगा, जिस पर 65.88 करोड़ रुपए की लागत आएगी।
- इसी प्रकार पानीपत में 'पानीपत-सफीदों-जींद-भिवानी रोड' पर 'कैरियर लाइन्ड चैनल' के साथ-साथ नए फ्लाईओवर का निर्माण किया जाएगा, इस फ्लाईओवर पर 26.47 करोड़ रुपए खर्च होंगे।
- पानीपत में 'जींद-पानीपत रेलवे सेंक्शन' पर 73.24 करोड़ रुपए की लागत से नया रेलवे ओवरब्रिज बनाया जाएगा। इसके अलावा, पानीपत ज़िले में वर्तमान रेलवे ओवरब्रिज के साथ-साथ 'पानीपत जीटी रोड से डाहर' की ओर एक नया फ्लाईओवर का निर्माण किया जाएगा।
- प्रदेश सरकार राज्य के लोगों की सुविधा के लिये आवश्यकता के अनुसार सड़क मार्ग को चौड़ा और मज़बूत कर रही है, जहाँ पर फ्लाईओवर या रेलवे ओवरब्रिज की ज़रूरत महसूस होगी, वहाँ पर प्राथमिकता से बनाए जाएंगे

विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2023: हरियाणा के नीरज चोपड़ा बने पहले भारतीय वर्ल्ड चैंपियन

चर्चा में क्यों ?

28 अगस्त, 2023 को हंगरी के बुडापेस्ट में आयोजित विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2023 में पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में हरियाणा के पानीपत ज़िले के नीरज चोपड़ा 88.17 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ, सीनियर विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट बन गए।

प्रमुख बिंदु

- विदित है कि नीरज चोपड़ा पहले ही ओलंपिक (टोक्यो 2020), डायमंड लीग खिताब (2022) और जूनियर विश्व चैंपियनशिप (2016) में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय ट्रैक और फील्ड एथलीट थे।
- पुरुषों के भाला फेंक में 89.94 मीटर का राष्ट्रीय रिकॉर्ड रखने वाले नीरज चोपड़ा ने पिछले साल ओरेगॉन में विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीता था। यह वैश्विक ट्रैक एंड फील्ड प्रतियोगिता में भारत का पहला रजत पदक था और अंजू बॉबी जॉर्ज द्वारा पेरिस 2003 में महिलाओं की लंबी कूद में कांस्य जीतने के बाद देश का दूसरा पदक था।
- मौजूदा राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन पाकिस्तान के अरशद नदीम ने सीज़न के अपने सर्वश्रेष्ठ 87.82 मीटर थ्रो के साथ रजत पदक जीता, जबकि चेक गणराज्य के जैकब वाडलेज्च ने 86.67 मीटर के साथ कांस्य पदक जीता।
- बुडापेस्ट में 12 सदस्यीय भाला फेंक फाइनल में अन्य दो भारतीय एथलीटों ने भी प्रभावशाली प्रदर्शन किया। किशोर जेना 84.77 मीटर के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ पाँचवें स्थान पर रहे, जबकि डीपी मनु 84.14 मीटर के साथ छठे स्थान पर रहे।

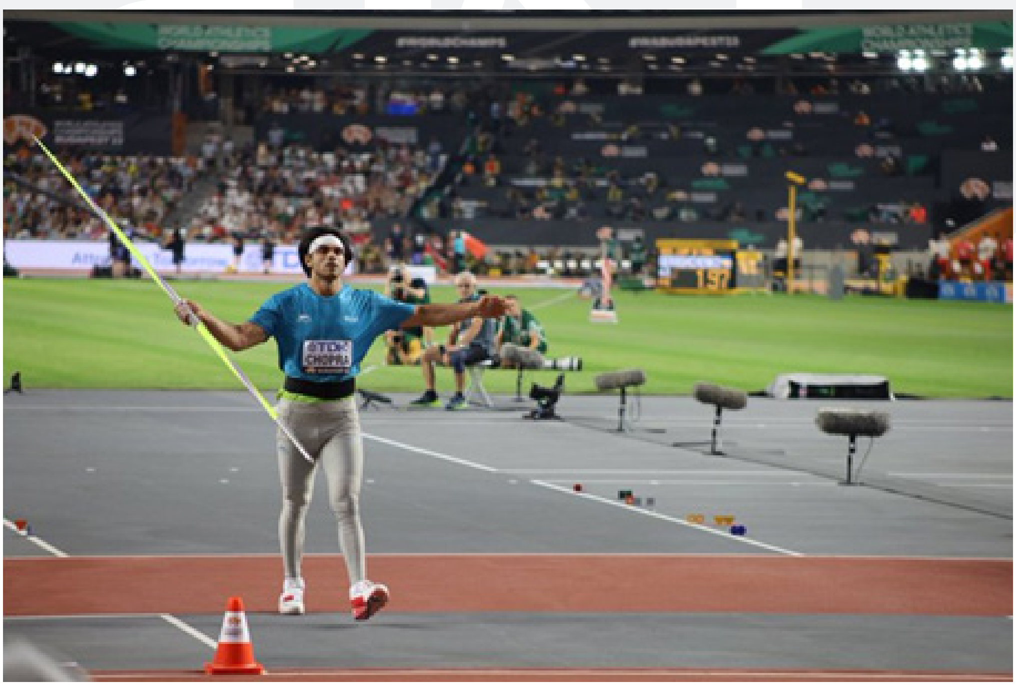

विश्व कुश्ती चैंपियनशिप: हरियाणा के 18 पहलवान हुए चयनित

चर्चा में क्यों ?

27 अगस्त, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार सर्बिया की राजधानी बेलग्रेड में 16 से 24 सितंबर तक होने वाली सीनियर विश्व कुश्ती चैंपियनशिप के लिये पंजाब के पटियाला स्थित साई सेंटर में हुए ट्रायल में चयनित 30 पहलवानों में 18 पहलवान हरियाणा के हैं।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- जानकारी के अनुसार पंजाब के पटियाला में 25-26 अगस्त को हुई सीनियर विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में भी हरियाणा के पहलवानों का दबदबा रहा। बेलग्रेड में होने वाली प्रतियोगिता में 18 पहलवानों ने अपने बेहतर खेल का प्रदर्शन करते हुए भारतीय दल में अपनी जगह बनाई है।
- पटियाला में हुए ट्रायल में हरियाणा के पहलवानों में महिला वर्ग में सात, फ्री स्टाइल में छह तो ग्रीको रोमन में पाँच पहलवानों ने टिकट पाया है।
- कुश्ती की दुनिया में प्रदेश के खिलाड़ियों ने अपनी पहचान बनाई है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में हरियाणा के पहलवान अपना अलग ही दमखम रखते हैं। प्रदेश के युवा पहलवान अंतर्राष्ट्रीय फलक पर नाम चमका रहे हैं।
- हरियाणा के इन पहलवानों का हुआ चयन-
  - फ्री-स्टाइल वर्ग: अमन (57 किग्रा.), आकाश दहिया (61 किग्रा.), अनुज (65 किग्रा.), नवीन (74 किग्रा.), सचिन मोर (74 किग्रा.) और सुमित मलिक (125 किग्रा.)।
  - ग्रीको रोमन वर्ग: मनीष, (60 किग्रा.), अंकित गुलिया (72 किग्रा.), साजन (82 किग्रा.), मनोज (87 किग्रा.) और मेहर सिंह (130 किग्रा.)।
  - महिला वर्ग: अंतिम पंघाल (53 किग्रा.), सरिता (57 किग्रा.), अंजलि (59 किग्रा.), मनीषा (62किग्रा.), अंतिम (65 किग्रा.), प्रियंका (68 किग्रा.) और ज्योति बेरवाल (72 किग्रा.)।